हिन्दी (केंद्रिक)

Designed & Developed

by

DAV Centre for Academic Excellence

in a workshop

held at

DAV College Managing Committee
Chitragupta Road, New Delhi-110055

हिंदी (केंद्रिक)
कक्षा-ग्यारहवीं

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 80*

I. अधिगम उद्देश्य का प्रभार :

उद्देश्य	ज्ञानात्मक	बोधात्मक	अनुप्रयोग	कुल अंक
% (अंकों का)	15%	50%	35%	100
अंक	12	40	28	80

II. विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का प्रभार :

प्रश्नों के प्रकार	निबंधात्मक प्रश्न	विस्तृत प्रश्न	लघूत्तरात्मक प्रश्न	बहुविकल्पी प्रश्न	कुल
	(5 अंक)	(3 अंक)	(2 अंक)	(1 अंक)	
प्रश्न संख्या	2	9	9	45	65*
अंक	10	18	12	40	80

नोट - *मुख्य प्रश्न संख्या के साथ उपभागों के प्रश्नों (*) को भी शामिल किया गया है।

III. विभिन्न प्रश्नानुसार अनुमानित शब्द सीमा और समय प्रबंधन

प्रश्नों के प्रकार	अनुमानित शब्द-सीमा	अनुमानित समय
1. निबंधात्मक प्रश्न	100-120	20 मिनट
2. विस्तृत प्रश्न	50-60	70 मिनट
3. लघुत्तरात्मक प्रश्न	30-40	50 मिनट
4. बहुविकल्पी प्रश्न	उचित विकल्प का चयन	40 मिनट

IV. वैकल्पिक प्रश्नों की संख्या: 2, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14

V. खंड : अ और ब

VI. कठिनाई स्तर अनुसार प्रश्नों के प्रकार

1. कठिन प्रश्न : 20%
2. सामान्य प्रश्न : 60%
3. सरल प्रश्न : 20%

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र (2022-23)
कक्षा-ग्यारहवीं
विषय-हिंदी (केंद्रिक) (302)

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य और आवश्यक निर्देश :

* *इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं–खंड 'अ' और खंड 'ब'। कुल प्रश्न 14 हैं।*
* *खंड 'अ' में 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*
* *खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*
* *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।*
* *दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*
* *यथासंभव दोनों खंडों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खंड-अ (वस्तुपरक प्रश्न)

अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए– (1×10=10)

परियोजना शिक्षा का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण अंग है। इसे तैयार करने में किसी खेल की तरह ही आनंद मिलता है। इस तरह की परियोजना तैयार करने का अर्थ है–खेल-खेल में बहुत कुछ सीख जाना। यदि आपको कहा जाए कि दशहरा पर निबंध लिखिए, तो आपको उतना आनंद नहीं आएगा क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की विषयगत अभिरुचि भिन्न होती है, जैसे आपको अपनी रुचि के अनुसार परियोजना कार्य के संबंध में तथ्य एकत्रित करने हों तो अखबारों से प्राप्त जानकारियों के अलावा भी आपको देश-दुनिया की बहुत सारी जानकारियाँ प्राप्त होती हैं। यह आपको तथ्यों को जुटाने तथा उन पर विचार करने का अवसर प्रदान करती है। इससे आप में नए-नए तथ्यों के कौशल का विकास होता है। इससे आप में एकाग्रता का विकास होता है। लेखन संबंधी नई-नई शैलियों का विकास होता है।

आप में चिंतन करने तथा किसी पूर्व घटना से वर्तमान घटना को जोड़कर देखने की शक्ति का विकास होता है। परियोजना कई प्रकार से तैयार की जा सकती है। हर व्यक्ति इसे अलग ढंग से, अपने तरीके से तैयार कर सकता है। ठीक उसी प्रकार जैसे हर व्यक्ति का बातचीत करने का, रहने का, खाने-पीने का अपना अलग तरीका होता है। ऐसा निबंध, कहानी, कविता लिखने या चित्र बनाते समय भी होता है। लेकिन ऊपर कही गई बातों के आधार पर यहाँ हम परियोजना को मोटे तौर पर दो भागों में बाँट सकते हैं–एक तो वे परियोजनाएँ, जो समस्याओं के निदान के लिए तैयार की जाती हैं और दूसरी वे, जो किसी विषय की समुचित जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार की जाती हैं।

समस्याओं के निदान के लिए तैयार की जाने वाली परियोजनाओं में संबंधित समस्या से जुड़े सभी तथ्यों पर प्रकाश डाला जाता है और उस समस्या के निदान भी दिए जाते हैं इस तरह की परियोजनाएँ प्राय: सरकार अथवा संगठनों द्वारा किसी समस्या पर कार्य-योजना तैयार करते समय बनाई जाती हैं। इससे उस समस्या के विभिन्न पहलुओं पर कार्य करने में आसानी हो जाती है, किंतु दूसरे प्रकार की परियोजना को आप आसानी से तैयार कर सकते हैं। इसे 'शैक्षिक परियोजना' भी कहा जाता है। इस तरह की परियोजनाएँ तैयार करते समय आप संबंधित विषय पर तथ्यों को जुटाते हुए बहुत सारी नई-नई बातों से अपने-आप परिचित भी होते हैं।

(i) परियोजना को शिक्षा का महत्त्वपूर्ण अंग क्यों माना गया है?

(क) खेल-खेल में ज्ञानार्जन

(ख) बौद्धिक विकास होना

(ग) एकाग्रता एवं रचनात्मकता का विकास

(घ) अध्ययन एवं मनोरंजन का समन्वय

(ii) किस कार्य में व्यक्ति-विशेष को आनंद प्राप्त होता है?

(क) लेख लिखने में (ख) निबंध लेखन में

(ग) रचनात्मक कार्य करने में (घ) रुचि के अनुसार कार्य करने में

(iii) गद्यांश के अनुसार बच्चों में नए-नए तथ्यों के कौशल-विकास का कारण है–

(क) मित्रों के साथ बैठकर बातें करना

(ख) तथ्यों को जुटाकर उन पर विचार करना

(ग) तर्क-वितर्क करना

(घ) विभिन्न प्रकार के खेल खेलना

(iv) परियोजना तैयार करने की क्या शैली हो सकती है?

(क) अलग ढंग, अपने तरीके से तैयार करना

(ख) सबके साथ मिलकर तैयार करना

(ग) बातचीत करके तैयार करना

(घ) किसी की सलाह से तैयार करना

(v) निबंध, कहानी, कविता लिखते या चित्र बनाते समय कैसा अनुभव होता है?

(क) सबका एक जैसा ही होता है

(ख) प्रत्येक का अनुभव अलग-अलग होता है

(ग) एक-दूसरे की नकल कर बना लेते हैं

(घ) कुछ लोगों का समान और कुछ का असमान

(vi) परियोजना को किन दो भागों में बाँटा जा सकता है?

(क) समस्याओं को छोड़ देने के लिए और नई जानकारी प्राप्त करने के लिए

(ख) समस्याओं के निदान के लिए और समुचित जानकारी प्रदान करने के लिए

(ग) समस्याओं को समझकर विशेष जानकारी प्राप्त करने के लिए

(घ) समस्याओं को न समझना और उनका निदान खोजने का प्रयास करना

(vii) सरकार अथवा संगठनों द्वारा किसी समस्या पर तैयार होने वाली कार्य योजना है–

(क) समस्याओं के निदान के लिए

(ख) समुचित जानकारी प्रदान करने के लिए

(ग) विभिन्न पहलुओं पर कार्य करने के लिए

(घ) विकास के लिए

(viii) गद्यांश के अनुसार कौन-सी परियोजना सहजता से तैयार की जा सकती है?

(क) शैक्षिक परियोजना (ख) गैर-शैक्षिक परियोजना

(ग) बहुउद्देशीय परियोजना (घ) सामाजिक सुरक्षा परियोजना

(ix) परियोजना तैयार करने हेतु तथ्यों को जुटाने का सर्वश्रेष्ठ विकल्प है–

(क) खोज (ख) आविष्कार

(ग) शोध (घ) परिश्रम

(x) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कथन (A) : 'यदि आपको कहा जाए कि दशहरा पर निबंध लिखिए तो आपको शायद उतना आनंद नहीं आएगा।'

कारण (R) : प्रत्येक व्यक्ति की लेखन क्षेत्र में विषयगत रुचि भिन्न-भिन्न होती है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प-चयन द्वारा दीजिए– (1×5)

मन दीपक निष्कम्प जलो रे!
सागर की उत्ताल तरंगे,
आसमान को छू छू जाएँ
डोल उठे डगमग भूमंडल
अग्निमुखी ज्वाला बरसाए

धूमकेतु बिजली की द्युति से,
धरती का अंतर हिल जाए
फिर भी तुम जहरीले फन को
कालजयी बन उसे दलो रे!
कदम-कदम पर पत्थर, काँटे
पैरों को छलनी कर जाएँ
श्रांत-क्लांत करने को आतुर
क्षण क्षण में जग की बाधाएँ
मरण गीत गाकर आ जाए
दिवस-रात, आपद-विपदाएँ
फिर भी तुम हिमपात तपन में
बिन आह चुपचाप जलो रे।

(i) मन की तुलना किससे की गई है?

(क) दीपक से (ख) हवा से

(ग) रात से (घ) पर्वत से

(ii) कविता में क्या करने को कहा गया है?

(क) विपरीत परिस्थितियों में विजय पाने को

(ख) देश के लिए लड़ने को

(ग) सर्वस्व समर्पण करने को

(घ) खूब अध्ययन करने को

(iii) कालजयी बनकर कवि ने कैसी बाधाओं का दलन करने को कहा है?

(क) श्रांत-क्लांत परिस्थितियों का (ख) अहंकार का

(ग) प्रतिकूल परिस्थितियों का (घ) प्रबल कामनाओं का

(iv) 'पत्थर और काँटे' – प्रतीक हैं–

(क) प्रगति के (ख) बाधाओं के

(ग) मजबूती के (घ) जड़ता के

(v) ''फिर भी तुम हिमपात तपन में बिना आह चुपचाप जलो रे।'' का भाव है–

(क) सुविधा भोगी बनने का (ख) परिस्थितियों से समझौता करने का

(ग) शांत रहने का (घ) संघर्ष के साथ अग्रसर होने का

अथवा

एक दिन भी जी मगर तू ताज बन कर जी (1×5)

अटल विश्वास बनकर जी,

अमर युग-गान बनकर जी!

आज तक तू समय के पद-चिन्ह सा खुद को मिटाकर

कर रहा निर्माण जग-हित एक सुखमय स्वर्ग सुंदर

स्वार्थी दुनिया मगर बदला तुझे यह दे रही है–

भूलता युग-गीत तुझको ही सदा तुझसे निकलकर

'कल' न बन तू जिंदगी का 'आज' बनकर जी

जगत सरताज बनकर जी!

जन्म से उड़ रहा निस्सीम इस नीले गगन पर,

किंतु फिर भी छांह मंजिल की पड़ती नहीं नयन पर,

और जीवन लक्ष्य पर पहुँचे बिना जो मिट गया तू–

जग हँसेगा खूब तेरे इस करूण असफल मरण पर

ओ मनुज! मत विहग बन आकाश बनकर जी,

अटल विश्वास बनकर जी।

(i) कवि ने मनुष्य को किस प्रकार जीने की प्रेरणा दी है?

(क) सर्वश्रेष्ठ एवं सरताज बनकर (ख) परिश्रमी एवं सारयुक्त बनकर

(ग) निस्वार्थी और संघर्षरत जीवन (घ) श्रेष्ठ और विश्वसनीय जीवन

(ii) दुनिया को स्वार्थी क्यों कहा गया है?

(क) वह स्वयं के लिए जीती है

(ख) वह जग-हित से अपना स्वार्थ साधती है

(ग) वह निज उन्नति में विश्वास रखती है

(घ) वह दूसरों की क्षति में प्रसन्न रहती है

(iii) 'मत विहग बन आकाश बनकर जी' में 'विहग' शब्द का अर्थ है–

(क) कायर (ख) प्रखर

(ग) खर (घ) खग

(iv) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(i) क्षणिक खणों में श्रेष्ठ बनकर जीना

(ii) लक्ष्यरहित कार्य सफल नहीं होते

(iii) मनुष्य को पक्षी के समान आकाश में विचरण करना चाहिए

उपरिलिखित कथनों में कौन-सा/कौन से सही है/हैं?

(क) केवल (i) (ख) केवल (iii)

(ग) (i) और (ii) (घ) (ii) और (iii)

(v) कविता में किस जीवन मूल को प्रतिपादित किया गया है?

(क) अहिंसा (ख) दया

(ग) नि:स्वार्थ भाव (घ) न्याय

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए– (1×5=5)

(i) संचार प्रक्रिया में 'डीकोडिंग' के संबंध में कौन सा कथन सही है?

(क) भाषा से परिचित होना (ख) संदेश में निहित अर्थ को समझना

(ग) शोर से संचार प्रक्रिया अवरुद्ध होना

(घ) संकेतिक संचार

(ii) जनसंचार माध्यमों में से किस पर यह आरोप लगता रहा है कि उन्होंने समाज में हिंसा, अश्लीलता औरर सामाजिक व्यवहार को प्रोत्साहित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है?

(क) दूरदर्शन (ख) रेडियो

(ग) समाचार-पत्र (घ) सिनेमा

(iii) किस संचार प्रक्रिया में संचारक और प्राप्तकर्ता एक ही व्यक्ति होता है?

(क) अंत:वैयक्तिक (ख) समूह संचार

(ग) अंतरवैयक्तिक (घ) जनसंचार

(iv) कॉलम 'क' का कॉलम 'ख' से उचित मिलान कीजिए–

कॉलम 'क'	कॉलम 'ख'
(i) खोजपरक पत्रकारिता	(i) सरकार के कामकाज पर निगाह रखना
(ii) वॉचडॉग पत्रकारिता	(ii) विचारधारा उद्देश्य या मुद्दे पर जनमत तैयार करना
(iii) एडवोकेसी पत्रकारिता	(iii) समाचार के महत्त्व से परिचित करवाना
(iv) विशेषीकृत पत्रकारिता	(iv) गहनता से तथ्यों की छानबीन करना

(क) (i)-(iv), (ii)-(i), (iii)-(ii), (iv)-(iii)

(ख) (i)-(iii), (ii)-(ii), (iii)-(i), (iv)-(iv)

(ग) (i)-(iv), (ii)-(iii), (iii)-(ii), (iv)-(i)

(घ) (i)-(ii), (ii)-(i), (iii)-(iv), (iv)-(ii)

(v) निम्नलिखित में से कौन सा कथन समाचार की परिभाषा में सम्मिलित नहीं किया जा सकता?

(क) प्रेरक और उत्तेजित करने वाली प्रत्येक सूचना

(ख) किसी घटना की रिपोर्ट

(ग) जल्दी से लिखा गया इतिहास (घ) ऐतिहासिक घटनाओं का विवरण

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए– (1×5)

किंतु उनसे यह न कहना, उन्हें देते धीर रहना
उन्हें कहना लिख रहा हूँ, उन्हें कहना पढ़ रहा हूँ

काम करता हूँ कि कहना, नाम करता हूँ कि कहना
चाहते हैं लोग कहना, मत करो कुछ शोक कहना
और कहना मस्त हूँ मैं, कातने में व्यस्त हूँ मैं
वजन सत्तर सेर मेरा, और भोजन ढेर मेरा

(i) प्रस्तुत काव्यांश में किसे संबोधित किया गया है और किसे धीरज देने की बात की गई है?

(क) माता पिता – सावन (ख) सावन – माता पिता

(ग) साथियों – माता पिता (घ) माता पिता – साथियों

(ii) काव्यांश के आधार पर स्पष्ट करें कि परिस्थितिवश कारावास में रहते हुए भी समय का सदुपयोग किस प्रकार किया जा सकता है?

(क) पढ़ने-लिखने में व्यस्त रहकर (ख) धार्मिक पुस्तकें पढ़कर

(ग) राजनीति पर चर्चा करके (घ) परिवार जनों से बात करके

(iii) काव्यांश के आधार पर बताएँ कि हम अपने अभिभावकों का नाम कैसे रोशन कर सकते हैं?

(क) उनकी छत्रछाया में रहकर (ख) उनकी आज्ञा का पालन करके

(ग) उनका सम्मान करके (घ) उनके मार्गदर्शन में कार्य करके

(iv) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प का चयन कीजिए–

अभिकथन (A) : चाहते हैं लोग कहना मत करो कुछ शोक कहना।

कारण (R) : न चाहते हुए भी अपने परिवारजनों को झूठी सांत्वना देते हैं कवि।

(क) A अनुचित है और R उसकी उचित व्याख्या है।

(ख) A और R दोनों अनुचित हैं।

(ग) A उचित है और R उसकी उचित व्याख्या है।

(घ) A उचित है और R उसकी अनुचित व्याख्या है।

(v) 'कातने में व्यस्त हूँ' पंक्ति के माध्यम से कवि ने किस ओर संकेत किया है?

(क) अपने माता-पिता के आदर्शों का अनुकरण करना

(ख) गाँधी जी के आदर्शों का अनुकरण करना

(ग) अपने साथियों के आदर्शों का अनुकरण करना

(घ) भगत सिंह के आदर्शों का अनुकरण करना

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हेतु उचित विकल्प का चयन कीजिए– (1×5)

धनराम की मंदबुद्धि रही हो या मन में बैठा हुआ डर कि पूरे दिन घोटा लगाने पर भी उसे तेरह का पहाड़ा याद नहीं हो पाया था। छुट्टी के समय जब मास्साहब ने उससे दुबारा पहाड़ा सुनाने को कहा तो तीसरी सीढ़ी तक पहुँचते-पहुँचते वह फिर लड़खड़ा गया था। लेकिन इस बार मास्टर त्रिलोक सिंह ने उसके लाए हुए बेंत का उपयोग करने की बजाय ज़बान की चाबुक लगा दी थी, 'तेरे दिमाग में तो लोहा भरा है रे! विद्या का ताप कहाँ लगेगा इसमें?' अपने थैले से पाँच छः दरातियाँ निकाल कर उन्होंने धनराम को धार लगाने के लिए पकड़ा दी थी। किताबों की विद्या का ताप लगाने की सामर्थ्य धनराम के पिता की नहीं थी। धनराम हाथ-पैर चलाने लायक हुआ ही था कि बाप ने उसे धौंकनी फूँकने या सान लगाने के कामों में उलझाना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे हथौड़े से लेकर घन चलाने की विद्या सिखाने लगा। फर्क इतना ही था कि जहाँ मास्टर त्रिलोक सिंह उसे अपनी पसंद का बेंत चुनने की छूट दे देते थे वहाँ गंगाराम इस का चुनाव स्वयं करते थे और ज़रा सी गलती होने पर छड़, बेंत, हत्था जो भी हाथ लग जाता उसी से अपना प्रसाद दे देते। एक दिन गंगाराम अचानक चल बसे तो धनराम ने सहज भाव से उनकी विरासत सँभाल ली और पास-पड़ोस के गाँव वालों को याद नहीं रहा वे कब गंगाराम के आफर को धनराम का आफर कहने लगे।

(i) 'गलता लोहा' पाठ के आधार पर बताएँ कि धनराम तेरह का पहाड़ा याद क्यों नहीं कर पाता?

(क) वह पढ़ना नहीं जानता था

(ख) वह परिस्थितिवश पहाड़ा याद करने में असमर्थ था

(ग) वह पढ़ना नहीं चाहता था

(घ) वह मंदबुद्धि बालक था

(ii) 'तेरे दिमाग में लोहा भरा है रे' दी गई टिप्पणी का क्या कारण था?

(क) विद्यार्थी से नाराज होना (ख) विद्यार्थी को दुविधा में डालना

(ग) विद्यार्थी को डाँटना (घ) विद्यार्थी पर कटाक्ष करना

(iii) धनराम के पिता द्वारा उसे बचपन में ही परंपरागत व्यवसाय में संलग्न करना उनकी कौन-सी विवशता को दर्शाता है?

(क) अशिक्षा (ख) निर्धनता

(ग) अरुचि (घ) जागरूकता

(iv) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न हेतु उचित उचित विकल्प का चयन कीजिए–

अभिकथन (A) : पास-पड़ोस के गाँव वालों को याद ही नहीं रहा कि कब वे गंगाराम के आफर को धनराम का आफर कहने लगे।

कारण (R) : धनराम ने सहज भाव से अपने पिता की विरासत को सँभाल लिया।

(क) A उचित है R उसकी उचित व्याख्या नहीं है।

(ख) A और R दोनों उचित हैं (R) (A) की उचित व्याख्या है।

(ग) A और R दोनों अनुचित हैं।

(घ) A उचित है और R अनुचित।

(v) 'जुबान की चाबुक' से क्या तात्पर्य है?

(क) सूक्तिबाण चलाना (ख) उपदेश देना

(ग) ज्ञान बाँटना (घ) उल्टा सीधा कहना

6. (i) लता के गानों में कोमलता व मुग्धता है दूसरी ओर पार्श्व गायिका नूरजहाँ के गानों में क्या विशेषता है? (1×10)

(क) नादमय उच्चार (ख) निर्मलता

(ग) मादकता और उत्तान (घ) गानपन

(ii) लता मंगेशकर की लोकप्रियता का मुख्य मर्म है–

(क) मनुष्यता (ख) गानपन

(ग) अपनापन (घ) चपलता

(iii) लेखक की दृष्टि में लता के गानों में कौन-सी दो मुख्य कमियाँ हैं?

(क) स्वरों की कोमलता और सुरीलापन न होना

(ख) करुण रस के गानों के साथ न्याय नहीं, समान्यत: ऊँची पट्टी में गान

(ग) शब्दों का उच्चारण सही न होना

(घ) सुलभता और लोच का न होना

(iv) ''चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए हैं'' के संबंध में लेखक का क्या विचार था?

(क) लोगों की अभद्र संगीत में रुचि (ख) चित्रपट संगीत का गिरता स्तर

(ग) चित्रपट संगीत में असभ्य शब्दों का प्रयोग

(घ) चित्रपट संगीत से आनंदानुभूति

(v) आच प्रथा से क्या तात्पर्य है?

(क) कुंई खोदने वाले मजदूर

(ख) मज़दूरों को रोजगार देना

(ग) मज़दूरों को भेंट देकर सम्मानित करना

(घ) मज़दूरों को भोजन देना

(vi) कुंई की खुदाई करते समय ऊपर से मुट्ठी भर-भर कर रेत क्यों फेंका जाता है?

(क) ज़हरीली गैस को उड़ाने के लिए

(ख) हवा नीचे पहुँचाने के लिए

(ग) गहराई का पता करने के लिए

(घ) जल देवता को प्रसन्न करने के लिए

(vii) 'राजस्थान की रजत बूँदें' पाठ में निहित संदेश है–

(क) जल संरक्षण (ख) कुँओं में जल एकत्रित करना

(ग) मजदूरों का सम्मान (घ) चेलवांजी और कुंई प्रथा

(viii) लेखिका मकान मालिक को तातुश क्यों कहती थी?

(क) वे लेखिका को बेटी की तरह मानते थे

(ख) वे लेखिका के साथ आत्मीयपूर्ण व्यवहार करते थे

(ग) सभी उन्हें तातुश कहकर संबोधित करते थे

(घ) वे वास्तव में उसके पिता थे

(ix) बेबी हालदार के संबंध में ऐसा क्यों कहा गया कि ''तुम आशापूर्णा देवी बन सकती हो।''

(क) बेबी आशापूर्णा देवी की तरह दिखती है

(ख) आशापूर्णा देवी ने जीवन के अभावों से हार नहीं मानी

(ग) संघर्षमयी जीवन के कारण आशापूर्णा देवी सफल न हो सकीं

(घ) नौकरानी का कार्य करते-करते आशापूर्णा देवी हताश हो गईं

(x) 'आलो आँधारि' पाठ की मूल संवेदना क्या है?

(क) गरीबों को घर में शरण देना

(ख) भूखों को भोजन देना

(ग) नौकरों के प्रति सद्व्यवहार रखना

(घ) घरेलू महिला नौकरानी को शोषण मुक्त परिवेश प्रदान करना

खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. दिए गए चार अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए– (5×1=5)

(क) वार्षिक परीक्षा के दिन (ख) प्रात:कालीन भ्रमण

(ग) मेरा गाँव (घ) प्लेटफार्म का दृश्य

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में औपचारिक पत्र लिखिए– (5×1=5)

आपके क्षेत्र में सड़कों तथा नालियों की समुचित सफाई न होने के कारण डेंगू की समस्या पैदा हो गई है। इस संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

अथवा

विभिन्न टी.वी. चैनल द्वारा प्राय अंधविश्वासों को प्रोत्साहित करने वाले अवैज्ञानिक और तर्कहीन कार्यक्रम दिखाए जाने के विरोध में अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए– (3×2=6)

(क) डायरी को परिभाषित करते हुए यह भी बताइए कि डायरी लेखन के समय किन महत्त्वपूर्ण तथ्यों का ध्यान रखना चाहिए?

(ख) 'पटकथा' से क्या तात्पर्य है? नाटक और फिल्म की पटकथा में क्या अंतर होता है?

(ग) पटकथा लिखते हुए किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है और क्यों?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए– (2×2=4)

(क) स्ववृत्त क्या है और इसके कितने पक्ष होते हैं?

(ख) शब्दकोश के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'संदर्भ ग्रंथ' के विषय में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 से 60 शब्दों में लिखिए– (3+3=6)

(क) कबीर ने उस परमसत्ता को एक बताया है किन तर्कों के द्वारा उन्होंने इसकी पुष्टि की है?

(ख) 'दुष्यंत कुमार की गज़ल का मिजाज़ परिवर्तन के पक्ष में है'–इस कथन के आलोक में अपने विचार प्रकट करें।

(ग) कवयित्री 'निर्मला पुतुल' के अनुसार आदिवासी समाज की कौन-सी तीन विशेषताएँ उसकी विशिष्ट पहचान हैं?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए– (2+2=4)

(क) मीरा ने 'लोक-लाज' खो दी थी–से क्या तात्पर्य है?

(ख) चंपा के मन में अक्षरों के प्रति क्या जिज्ञासा थी?

(ग) पहले वचन में कवयित्री अक्क महादेवी ने मनुष्य के कौन-कौन से स्वाभाविक विकारों का उल्लेख किया है?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 से 60 शब्दों में लिखिए– (3+3=6)

(क) सिद्ध कीजिए कि 'नमक का दारोगा' कहानी धन पर धर्म की विजय गाथा है।

(ख) फिल्म निर्माण सहज कार्य नहीं है इस दृष्टि से बताएँ कि एक फिल्मकार को फ़िल्म की शूटिंग करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

(ग) 'भारत माता' पाठ के आधार पर बताएँ कि भारत के विकास को लेकर आप क्या सपने देखते हैं?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए– (2+2=4)

(क) मियाँ नसीरुद्दीन का शब्द चित्र लेखिका ने कैसे खींचा है?

(ख) लार्ड कर्जन को इस्तीफा क्यों देना पड़ा?

(ग) 'जामुन का पेड़' पाठ के भीतर छिपे व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

कक्षा–ग्यारहवीं

विषय-हिंदी (केंद्रिक)

अंक विभाजन तथा उत्तर संकेत

निर्देश : यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा हो, परन्तु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु उत्तर संकेत	निर्धारित अंक	कुल अंक
1.	(i) (ग) एकाग्रता एवं रचनात्मकता का विकास	1	
	(ii) (घ) रुचि के अनुसार कार्य करने में	1	
	(iii) (ख) तथ्यों को जुटाकर उन पर विचार करना	1	
	(iv) (क) अलग ढंग, अपने तरीके से तैयार करना	1	
	(v) (ख) प्रत्येक का अनुभव अलग-अलग होता है	1	
	(vi) (ख) समस्याओं के निदान के लिए और समुचित जानकारी प्रदान करने के लिए	1	
	(vii) (क) समस्याओं के निदान के लिए	1	
	(viii) (क) शैक्षिक परियोजना	1	
	(ix) (ग) शोध	1	
	(x) (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है	1	10
2.	(i) (क) दीपक से	1	
	(ii) (क) विपरीत परिस्थितियों में विजय पाने को	1	
	(iii) (ग) प्रतिकूल परिस्थितियों का	1	

	(iv) (ख) बाधाओं के	1	
	(v) (घ) संघर्ष के साथ अग्रसर होने का	1	
	अथवा		
	(i) (क) सर्वश्रेष्ठ एवं सरताज बनकर	1	
	(ii) (ख) वह जग-हित में अपना स्वार्थ साधती है	1	
	(iii) (घ) खग	1	
	(iv) (ग) क्षणिक क्षणों में श्रेष्ठ बनकर जीना लक्ष्यरहित कार्य सफल नहीं होते	1	
	(v) (ग) नि:स्वार्थ भाव	1	5
3.	(i) (ख) संदेश में निहित अर्थ को समझना	1	
	(ii) (घ) सिनेमा	1	
	(iii) (क) अंत:वैयक्तिक	1	
	(iv) (क) (i)-(iv), (ii)-(i), (iii)-(ii), (iv)-(iii)	1	
	(v) (घ) ऐतिहासिक घटनाओं का विवरण	1	5
4.	(i) (ख) सावन – माता पिता	1	
	(ii) (क) पढ़ने-लिखने में व्यस्त रहकर	1	
	(iii) (घ) उनके मार्गदर्शन में कार्य करके	1	
	(iv) (ग) A उचित है और R उसकी उचित व्याख्या है	1	
	(v) (ख) गाँधी जी के आदर्शों का अनुकरण करना	1	5

5.	(i) (ख) वह परिस्थितिवश पहाड़ा याद करने में असमर्थ था	1	
	(ii) (घ) विद्यार्थी पर कटाक्ष करना	1	
	(iii) (ख) निर्धनता	1	
	(iv) (ख) (A) और (R) दोनों उचित हैं (R) A की उचित व्याख्या है	1	
	(v) (क) सूक्ति बाण चलाना	1	5
6.	(i) (क) नादमय उच्चार	1	
	(ii) (ख) गानपन	1	
	(iii) (ख) करुण रस के गानों के साथ न्याय नहीं, ऊँची पट्टी में गाना	1	
	(iv) (घ) चित्रपट संगीत में आनंदानुभूति	1	
	(v) (ग) मजदूरों को भेंट देकर सम्मानित करना	1	
	(vi) (ख) हवा नीचे पहुँचाने के लिए	1	
	(vii) (क) जल संरक्षण	1	
	(viii) (क) वे लेखिका को बेटी की तरह मानते थे	1	
	(ix) (ख) आशापूर्णा देवी ने जीवन के अभावों से हार नहीं मानी	1	
	(x) (घ) घरेलू महिला नौकरानी को शोषणमुक्त परिवेश प्रदान करना	1	10
7.	विषयवस्तु	3	
	प्रस्तुति	1	
	भाषा	1	5

8.	प्रारूप	2	
	विषयवस्तु	2	
	भाषा	1	5
9.	(क) **डायरी की परिभाषा**–हम दिन भर जिन घटनाओं, गतिविधियों और विचारों से गुजरते रहे हैं, उन्हें डायरी के पृष्ठों में शब्दबद्ध करना ही डायरी लेखन कहलाता है। **ध्यान देने योग्य आवश्यक तथ्य–** • वह डायरी प्रयोग से बचना चाहिए जिसमें पहले से ही तिथि अंकित हो। • बाहरी दबावों से मुक्त होकर लिखना। • दिनभर की मुख्य घटनाओं या गतिविधि का चयन करके लिखना। • डायरी की भाषा-शैली में स्वाभाविकता रहनी चाहिए।	2	
	(ख) 'पटकथा' दो शब्दों के योग से बना है–'पट'-परदा, 'कथा'-कहानी। ऐसी कहानी जो पर्दे पर दिखाई जाए, वही पटकथा है। **अंतर–** **नाटक–** • नाटक के दृश्य लंबे होते हैं। • घटनास्थल सीमित • सजीव कला माध्यम • कथा का विकास एक-रेखीय		

		फिल्म • दृश्य छोटे • घटनास्थल की कोई सीमा नहीं • पूर्व रिकार्डेड छवियाँ व ध्वनियाँ • कथा का विकास कई प्रकार से–फ्लैशबैक, फ्लैशबैक फॉरवर्ड	2	
	(ग)	• प्रत्येक दृश्य के साथ घटित होने वाली घटना के समय का संकेत देना। • दृश्य के प्रारंभ में पात्रों की गतिविधियों के संकेत देना। • किसी आधार को लेकर दृश्यों का विभाजन होना। • प्रत्येक विषय के साथ घटनास्थल का उल्लेख। • पात्रों के हाव-भाव का उल्लेख। • घटना कहाँ घट रही है–अंदर या बाहर।	2	
		क्यों–क्योंकि इनके अभाव में पटकथा अपनी पहचान खो देगी, कथा को पर्दे तक पहुँचाना कठिन हो जाएगा।		6
10.	(क)	एक विशेष प्रकार का लेखन जिसमें किसी व्यक्ति विशेष के बारे में विशेष प्रयोजन को ध्यान में रखकर क्रमबद्ध तरीके से सूचनाएँ संकलित की जाती हैं, स्ववृत्त (बायोडाटा) कहलाता है। स्ववृत्त उम्मीदवार के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है। स्ववृत्त नियोक्ता के मन में उम्मीदवार के प्रति एक सकारात्मक धारणा प्रस्तुत करता है। इसलिए एक अच्छे स्ववृत्त को एक चुंबक की तरह माना जाता है। स्ववृत्त के दो पक्ष होते हैं– 1. उम्मीदवार–जिसको केंद्र में रखकर सूचनाएँ संकलित की जाती हैं। 2. नियोक्ता या संस्था–जिसके प्रयोजन को ध्यान में रखकर सूचनाएँ एकत्रित की जाती हैं।	2	

	(ख) **शब्दकोश का महत्त्व** • शब्दों के अर्थ, सरलता से ज्ञात हो जाते हैं। • शब्द के विषय में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। • सभी शब्द एक ही कोश में उपलब्ध, हमें भटकना नहीं पड़ता। • शब्दों की वर्तनी, व्युत्पति, व्याकरण निर्देश, अर्थ, परिभाषा और प्रयोग आदि की जानकारी।		2	
	(ग) • जिस प्रकार शब्दकोश में शब्दों के अर्थ दिए होते हैं, उसी प्रकार संदर्भ ग्रंथ में मानव द्वारा संचित ज्ञान को संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत किया जाता है। • किसी भी विषय की जानकारी शीघ्रता से प्राप्त इसमें जानकारियों का क्रम भी 'शब्दकोश' के नियमों के अनुसार • इसका विशद रूप 'विश्व ज्ञान कोष' है। इसमें मानव द्वारा संचित प्रत्येक प्रकार की जानकारी और सूचना का संक्षिप्त संकलन		2	4
11.	(क) 1. संसार में सर्वत्र एक पवन व जल है। 2. इस सृष्टि में एक ही ज्योति समाई हुई है। 3. वह कुम्हार (ईश्वर) एक ही है, उसने एक ही मिट्टी से सबको बनाया है। 4. सभी प्राणियों में आत्मा के रूप में उस परमात्मा की ही दिव्य ज्योति है।		3	

	(ख)	1. कवि वर्तमान स्थिति से असंतुष्ट है। 2. मानव-मूल्यों के पतनोन्मुख होने से चिंतित है। 3. आज पूरी राजनीतिक व्यवस्था भ्रष्टाचार से ओतप्रोत है। 4. आम व्यक्ति निराश और हताश है परंतु अभावग्रस्त जीवन निर्वहन करने को विवश है। 5. कवि अपनी आवाज से लोगों को जागरूक करने एवं परिवर्तन तथा क्रांति का आह्वान करता है।	3	
	(ग)	1. 'दिल का भोलापन', 'अक्खड़पन', 'जुझारूपन'। 2. दिल के भोलेपन में सहजता का भाव है, मन पर शहर कलुष का साया नहीं पड़ा है। अक्खड़पन से तात्पर्य है अपनी बात पर दृढ़ रहने का भाव। जुझारूपन में संघर्षशीलता की झलक। 3. कवयित्री, समाज में आ रही आलस्य की प्रवृत्ति और जीवन में उत्साहीनता को समाप्त करने के लिए उनके विशिष्ट गुणों का बखान करती है। (कोई दो अपेक्षित)	3	6
12.	(क)	1. समस्त राजस्थान में पर्दा प्रथा, राजसी राजपूत समाज में अधिक बंदिशें। 2. ऐसे समाज में बंधनों को तोड़ कर मीरा का भजन-कीर्तन करते हुए गली-गली घूमना। 3. उन्होंने समाज की लाज-मर्यादा का उल्लंघन किया, उसे त्याग दिया।	2	

	(ख) 1. चंपा अनपढ़ ग्रामीण लड़की थी, जब वह कवि को पढ़ते-लिखते हुए देखती तो उसे यह बात अजूबा सी लगती। 2. वह सोचती इन काले-काले अक्षरों में से स्वर कैसे निकलते हैं। 3. फिर सोचती क्या यह पढ़ने-लिखने का काम बहुत अच्छा है पर खुद पढ़ने-लिखने से साफ इनकार कर देती।	2	
	(ग) 1. प्रत्येक मनुष्य में स्वाभाविक रूप से लोभ, मोह, क्रोध, मद, ईर्ष्या, नींद आदि विकार होते हैं। 2. भूख मचलाती है, प्यास तड़पाती है, नींद सताती है, लोभ ललचाता है, ईर्ष्या जलाती है और नशा व्यक्ति पर हावी हो जाता है। 3. इन विकारों में फंसकर व्यक्ति का कोई भला नहीं होता है। (कोई दो अपेक्षित)	2	4
13.	(क) 1. पंडित अलोपीदीन धन का उपासक था उसे लक्ष्मी पर अखंड विश्वास था। 2. उसके अनुसार धन की शक्ति से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है। 3. इसके लिए वह रिश्वत देकर गैरकानूनी कार्य करता था। 4. दारोगा वंशीधर द्वारा गैरकानूनी ढंग से नमक ले जा रही गाड़ियों को पकड़ने पर भी उसने रिश्वत देकर अपना काम सिद्ध करना चाहा।		

	5.	वंशीधर ने उसकी हर पेशकश ठुकराकर उसे गिरफ्तार कर लिया।	
	6.	अलोपीदीन के अब तक के जीवन में यह पहली बार घटित हुआ था जब धन की शक्ति धर्म के समक्ष पराजित हो गई थी, धर्म ने धन पर विजय पाई थी।	3
(ख)	1.	फिल्मकार के लिए फ़िल्म निर्माण एक अबूझ पहेली की तरह होती है, अनेक प्रकार के रोमांच शंकाओं और आशंकाओं से गुजरता हुआ वह निर्माण कार्य सम्पन्न करता है।	
	2.	फ़िल्म सृजन के साथ फ़िल्म की शूटिंग करते समय उसे अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिसमें सर्वोपरि धन का अभाव है।	
	3.	कलाकारों का चयन करना, कलाकारों के स्वास्थ्य, मृत्यु आदि की स्थिति पर विकल्प की खोज करना।	
	4.	पशु-पात्रों के दृश्य फिल्मांकन की समस्या।	
	5.	बाहरी दृश्यों हेतु लोकेशन ढूँढना, प्राकृतिक दृश्यों के लिए मौसम पर निर्भरता।	3
	6.	दृश्यों की निरंतरता हेतु भटकना, स्थानीय लोगों का हस्तक्षेप व असहयोग।	
	7.	संगीत एवं साउंड की उत्तम गुणवत्ता की चिंता।	
(ग)	1.	समस्त भारतीयों की मूलभूत आवश्यकताएँ पूर्ण हों।	
	2.	सभी भारतीयों को रोटी, कपड़ा और मकान सहजता से प्राप्त हो।	
	3.	शिक्षा का अधिकार सबको मिले व सबको रोजगार मिले।	
	4.	देश के कृषि व औद्योगिक क्षेत्रों में विकास हो।	3
	5.	देश में तकनीकी क्रांति आए।	
	6.	देश में शांति का वातावरण रहे।	
	(कोई दो अपेक्षित)		6

14.	(क) 1. मौसमों की मार से पका चेहरा		
	2. आँखों में काइयाँ भोलापन		
	3. पेशानी पर मँजे हुए कारीगर के तेवर	2	
	(ख) 1. सरकारी निरंकुशता के पक्षधर।		
	2. ब्रिटिश कौंसिल में अपने मनपसंद अंग्रेज सदस्य को नियुक्त करवाने का प्रयास।		
	3. नियुक्ति न होने पर अपमान, इस्तीफे की धमकी, इस्तीफा मंजूर होने पर भारत से जाना पड़ा।	2	
	(ग) कार्यालयी तौर-तरीकों में विस्तार की निरर्थकता और पदों की क्रम संख्या की हास्यास्पद दशा।		
	1. मानवीय संवेदना की उपेक्षा।		
	2. आरोप-प्रत्यारोप, जिम्मेदारी से पलायन, काम के प्रति उदासीनता।	2	4
	(कोई दो अपेक्षित)		